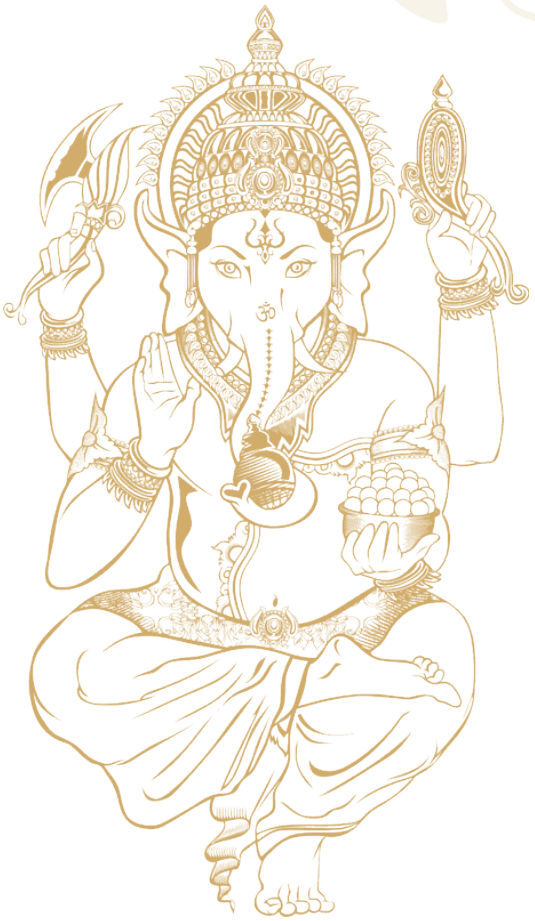

Durgesh

Aaradhana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121180205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1996	जन्म तिथि	01/05/1997
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	08:35:00 घंटे
घटी 15:16:10	जन्म समय(घटी)	06:13:02 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Chhindwara
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	22:04:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	78:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:14:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:32	सूर्योदय	05:42:45
18:51:16	सूर्यास्त	18:40:06
23:48:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 11मा 11दि	06:57:37	वृश्चि	लग्न	मिथु	01:01:08	मंगल 3वर्ष 3मा 15दि
बुध	13:22:02	सिंह	सूर्य	मेष	16:58:07	गुरु
11/08/2013	04:46:24	मीन	चंद्र	कुंभ	00:23:44	16/08/2018
12/08/2030	29:30:43	मिथु	मंगल	सिंह	22:59:13	16/08/2034
बुध 08/01/2016	08:32:57	कन्या	बुध व	मेष	07:49:37	गुरु 03/10/2020
केतु 04/01/2017	14:02:17	धनु व	गुरु	मक	25:41:51	शनि 16/04/2023
शुक्र 05/11/2019	27:54:28	मिथु	शुक्र	मेष	24:21:50	बुध 22/07/2025
सूर्य 11/09/2020	12:09:34	मीन व	शनि	मीन	20:15:08	केतु 28/06/2026
चन्द्र 10/02/2022	14:25:17	कन्या व	राहु	कन्या	04:06:59	शुक्र 26/02/2029
मंगल 07/02/2023	14:25:17	मीन व	केतु	मीन	04:06:59	सूर्य 15/12/2029
राहु 27/08/2025	07:28:43	मक व	हर्ष	मक	14:47:39	चन्द्र 16/04/2031
गुरु 02/12/2027	01:31:39	मक व	नेप	मक	06:08:18	मंगल 22/03/2032
शनि 12/08/2030	06:37:54	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:03:11	राहु 16/08/2034

लग्न-चलित

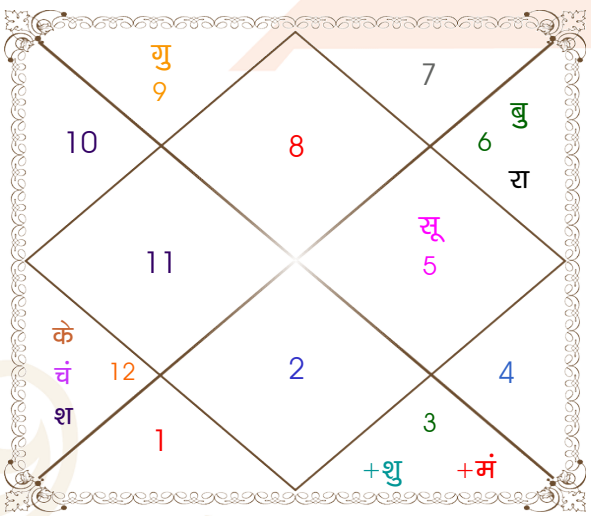

लग्न-चलित

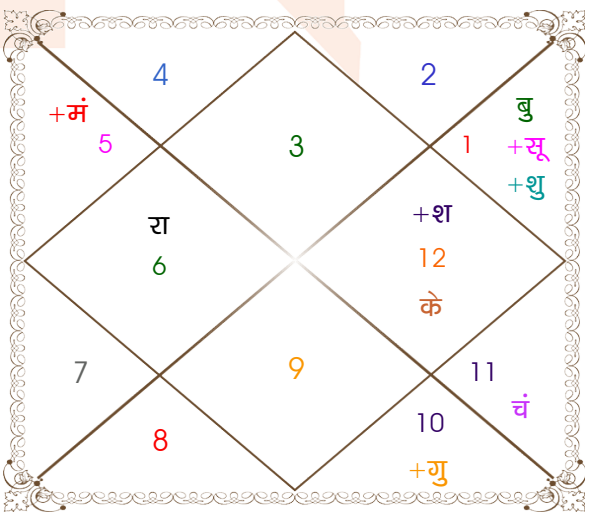

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	7.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

क्नतहमी का वर्ग सर्प है तथा ।तंकींदं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्नतहमी और ।तंकींदं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

क्नतहमी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

।तंकींदं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।तंकींदं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्नतहमी तथा ।तंकींदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।